सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 348 | इंदौर, मंगलवार 27 जून, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. Ayodhya: जल, थल और नभ तीनों ओर से सुरक्षित होगा राममंदिर, सुरक्षा प्लान पर खर्च होंगे 38 करोड़ रुपये
2. Tomato Price: लू और कम उत्पादन ने बढ़ाए टमाटर के दाम; RBI की महंगाई कम करने की कोशिशों पर फिर सकता है पानी

पीएम मोदी ने पांच वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

रेलवे स्टेशन परिसर में लगे मोदी-मोदी के नारे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज 27 जून को सुबह करीब दस बजे वायुसेना के विशेष विमान से मध्य प्रदेश के भोपाल के दौरे पर पहुंचे। स्टेट हैंगर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, सीएम शिवराज सिंह समेत अन्य नेताओं ने उनकी आत्मीय अगवानी की। यहां से सडक़ मार्ग के जरिए प्रधानमंत्री मोदी रानी कमलापति स्टेशन पहुंचे। यहां पर उन्होंने इंदौर-भोपाल और जबलपुर-भोपाल के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन की प्रदेश को सौगात दी। भोपाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रोड शो खराब मौसम की वजह से रद्द कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन में स्कूली छात्रों के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से 5 वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्कूली बच्चों और क्रू मेंबर्स से बात करने के बाद वंदे भारत एक्क्सप्रेस से बाहर आए। इसके उपरांत उन्होंने हरी झंडी दिखाकर वंदे भारत ट्रेनों को रवाना किया। रानी कमलापति स्टेशन से इंदौर एवं जबलपुर के लिए एक साथ दो वंदे भारत ट्रेनें रवाना हुईं। इसके अलावा पीएम मोदी ने तीन अन्य वंदे भारत ट्रेनों को भी वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्कूली बच्चों से किया संवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ रेल मंत्री अश्विन वैष्णव हैं मौजूद। प्रधानमंत्री को अपने बीच पाकर स्टेशन पर मौजूद लोग काफी खुश नजर आए। स्कूली बच्चों में भी काफी उत्साह नजर आया। लोगों का अभिवादन करने के बाद पीएम मोदी वंदे भारत एक्सप्रेस के भीतर गए। प्रधानमंत्री वंदे भारत के रैक का निरीक्षण कर रहे हैं। ट्रेन में सवार बच्चों से भी संवाद किया।

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर में नकद मुआवजे का प्रावधान खत्म

किसानों के साथ अधिकांश जमीन मालिक भी लैंड पूलिंग के तहत 50 फीसदी जमीन वापस लेने पर सहमत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एमपीआईडीसी द्वारा जो इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर विकसित किया जाना है उसमें जमीन मालिकों की दावे-आपत्तियों को सुनने के बाद शासन को नोटिफिकेशन के बाद प्रस्ताव भिजवा दिया है। अब जल्द ही नोटिफिकेशन होते ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। लगभग 1300 हेक्टेयर जमीन पर यह कॉरिडोर निर्मित होगा, जिसमें व्यवसायिक, औद्योगिक और आवासीय गतिविधियों के विकसित भूखंड तैयार किए जाएंगे और लैंड पुलिंग पॉलिसी के तहत जमीन मालिकों को नकद मुआवजे के बदले 50 फीसदी उनकी जमीन वापस लौटा दी जाएगी। कुछ प्रोजेक्टों में एमपीआईडीसी ने 10 फीसदी नकद मुआवजे का प्रावधान भी किया था जो कॉरिडोर के लिए खत्म कर दिया।

पूर्व में एमपीआईडीसी ने पीथमपुर सेक्टर-7 सहित अपने अन्य कुछ प्रोजेक्टों में 10 प्रतिशत नकद राशि भी जमीन मालिकों को सौंपी है और शेष 90 फीसदी के बदले विकसित भूखंड देना

तय किए। मगर इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर में नकद मुआवजा नहीं दिया जाएगा, बल्कि लैंड पुलिंग के तहत 100 फीसदी जमीन अधिग्रहित कर उसमें से 50 फीसदी वापस लौटा दी जाएगी। ये जमीन विकसित भूखंड के रूप में ही होगी। दरअसल अधिकांश किसान और जमीन मालिक नकद मुआवजे के बदले 50 फीसदी विकसित जमीन लेने के ही पक्ष में रहे, जिसके चलते अब यह फामूर्ला तय किया गया है।

एमपीआईडीसी ने पिछले दिनों फाइनल नोटिफिकेशन की तैयारी भी कर ली और लगभग 800 से अधिक प्राप्त आपत्तियों का निराकरण भी सुनवाई के बाद कर दिया। 75 मीटर चौड़े इस कॉरिडोर के दोनों तरफ 300-300 मीटर की जमीनें ली गई है। दो हिस्सों में इस कॉरिडोर का निर्माण होना है, जिसमें एक हिस्सा इंदौर के सुपर कॉरिडोर जंक्शन से पीथमपुर और दूसरा हिस्सा पीथमपुर से एबी रोड की तरफ सिंचा तक बनेगा। दोनों सडक़ों की कुल लम्बाई लगभग साढ़े 19 किलोमीटर रहेगी और इस कॉरिडोर के क्रियान्वयन पर डेढ़ हजार करोड़ तक खर्च होने का अनुमान लगाया गया है।

वाहन पोर्टल पर ऑनलाइन पीयूसी कार्ड की नहीं हो रही प्रक्रिया, आवेदक परेशान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। विगत वर्ष वाहन पोर्टल की शुरूआत के साथ ही परिवहन कार्यालय में वाहनों से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन की जा रही है। नए वाहनों का रजिस्ट्रेशन डीलर स्तर से ऑनलाइन किया जा रहा है, लेकिन अब तक पीयूसी के ऑनलाइन व्यवस्था शुरू नहीं हो पाई है। ऐसे में आवेदक और एजेंट को शहर में संचालित हो रहे पीयूसी सेंटर से सर्टिफिकेट लेकर अपलोड करना पड़ रहे हैं। आवेदकों को पीयूसी सर्टिफिकेट के लिए परेशान होना पड़ रहा है, जबकि अन्य कागजात ऑनलाइन पोर्टल पर सीधे अपलोड हो रहे हैं।

देश में कही भी पीयूसी (पाल्यूशन अंडर कंट्रोल) बनवाया जा सकता है, लेकिन पोर्टल पर पीयूसी का आप्शन अभी तक शुरू नहीं हुआ। ऐसे में वाहन मालिक परेशान हो रहे है। उन्हें अन्य दस्तावेजों के साथ पीयूसी सर्टिफिकेट लगना पड़ रहा है। जानकारों का कहना हैं कि नई कार, बाइक के लिए प्रदूषण प्रमाण पत्र तीन साल के लिए वैध होता है। इसके बाद हर 6 महीने में उसे रिन्यू कराने की जरूरत पड़ती है। चूंकि इंदौर में नए और पुराने वाहनों की खरीदी बिक्री काफी संख्या में हर दिन होती है। ऐसे में पीयूसी कार्ड अनिवार्य बढ़ जाती हैं। पोर्टल पर ऑप्शन नहीं होने से शहर में संचालित हो रहा है पीयूसी सेंटर उसे का सर्टिफिक्केट लेकर पोर्टल पर अपलोड करना पड़ रहा है। इसके बाद जाकर कहीं बाहर के पंजीयन और नवीनीकरण हो पा रहे हैं। दिल्ली सहित अन्य राज्य की ओर जाते हैं, तो पीयूसी की जरूरत पड़ती है। मध्य प्रदेश की गाडिय़ों की पीयूसी का आनलाइन डेटा नजर नहीं आता हैं। आनलाइन डेटा नहीं होने पर पीयूसी सर्टिफिक्केट जारी नहीं करते थे। इससे जुमार्ना भुगतना पड़ता हैं। इस पोर्टल पर ऑनलाइन पीयूसी सर्टिफिक्केट का डाटा शुरू होना है, लेकिन अभी तक नहीं होने से वाहन मालिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दो माह में शुरू होगी प्रक्रिया

पीयूसी डाटा को आनलाइन करने की तैयारी चल रही है। एक दो माह में आनलाइन शुरू हो जाएगा। अभी पीयूसी सेंटर वाले सर्टिफिकेट अपलोड किये जा रहें हैं।

- प्रदीप कुमार शर्मा, आरटीओ

पर्यटन मंत्री व महापौर ने किया महाराव राजा श्री बख्तावरसिंह की प्रतिमा स्थल का निरीक्षण

● सौन्दर्यीकरण व विकास कार्यो के संबंध में डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने के दिए निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर व महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा एमवाय अस्पताल क्वार्टर परिसर में स्थित महाराव राजा श्री बख्तावर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रतिमा स्थल पर सौन्दर्यीकरण व विकास कार्यो के संबंध में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ नेता श्री बाबुसिंह रघुवंशी, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती पंखुडी जैन, अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

महापौर श्री भार्गव ने कहा कि सन 1857 की क्रांति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महाराव राजा श्री बख्तावर सिंह की शहादत व उनके बलिदान पर एमवाय अस्पताल क्वार्टर में स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर शहादत की स्मृति को देखते हुए, सौन्दर्यीकरण एवं विकास कार्यो के संबंध में मान. पर्यटन मंत्री जी के साथ निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही मान. मंत्री जी व मान. महापौर जी द्वारा डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने के संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया उक्त स्थल को पर्यटन व स्मारक स्थल बनाया जावेगा। इसके साथ ही नगर निगम की मेयर इन काउसिल में पारित प्रस्ताव अनुसार रेसीडेंसी क्षेत्र का नामकरण महाराव राजा श्री बख्तावर सिंह क्षेत्र किये जाने के पश्चात उक्त क्षेत्र में लगाये गये सूचना बोर्ड स्थल का भी अवलोकन किया गया।

बढ़ी बिजली की मांग, औद्योगिक, उच्चदाब बिजली खपत में 13 फीसदी उछाल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। वर्ष 2023 के ग्रीष्मकाल के पिछले तीन माह में औद्योगिक, उच्च दाब की बिजली मांग में औसत 13 फीसद से ज्यादा की बढ़त रही। इसी के अनुरूप आपूर्ति की गई। औद्योगिक उच्च दाब कनेक्शनों को वर्ष में 185 करोड़ यूनिट से ज्यादा बिजली की आपूर्ति हुई।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि प्रति माह औद्योगिक, उच्च दाब कनेक्शनों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। अब यह संख्या 4300 हो गई है। इन कनेक्शनों में से भी 3100 से ज्यादा इंदौर के समीप स्थित है। एक और जहां पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान उच्च दाब, औद्योगिक बिजली की मांग औसत दस फीसद बढ़ी थी। इस बार तीन माह के दौरान मांग पिछले वर्ष समान अवधि की तुलना में 13 फीसद बढ़ी है। गर्मी के तीन माह मार्च, अप्रैल, मई में इस बार कुल 187.3 करोड़ यूनिट की आपूर्ति हुई है, यह वर्ष 2022 के इन तीनों माह में 165 करोड़ यूनिट दर्ज की गई थी। जारी वित्तीय वर्ष के अप्रैल, मई, जून मे इंदौर, पीथमपुर, देवास आदि क्षेत्र में औद्योगिक, उच्च दाब के नए कनेक्शन दिए गए है। प्रबंध निदेशक तोमर ने बताया कि उच्च दाब कनेक्शनों की आपूर्ति, बिलिंग, इन्हें शासकीय नियमानुसार छूट या सहायता देने के लिए विशेष रूप से वरिष्ठ अधिकारी पदस्थ हैं, जो उद्योगपतियों, उद्योग संचालकों से सतत संपर्क में रहते है।

जेएसजी नवकार की साधारण सभा पजामा पार्टी एवं पति पत्नी की तकरार हम तुम थीम पर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जैन सोशल ग्रुप इंदौर नवकार की चतुर्थ साधारण सभा निर्वाणा रिसोर्ट पर सभी मेंबर्स की उपस्थिति के बीच संपन्न हुई यह मीटिंग एक विशेष टीम पजामा पार्टी के साथ पति पत्नी की तकरार 'हम तुम' पर आधारित थी सभी मेंबर्स को 3 दिन तक लगातार टास्क दिए गए पहला दिन पहले टास्क पति पत्नी की तकरार के फोटो क्लिक करवा कर मंगाए गए, दूसरे दिन उसी थीम से संबंधित वीडियो शूट करके मंगाये गये और मीटिंग वाले दिन मीटिंग स्थल पर सेल्फी एवं रील बनाने के टास्क दिए गए सभी मेंबर्स ने तीनों टास्क को बहुत उत्साह के साथ पूर्ण किया। संयोजको द्वारा मंगलाचरण हर्षा जैन और उनकी टीम ने प्रस्तुत किया फिर ग्रुप की घोषित श्री शिखर जी यात्रा की जानकारी ग्रुप अध्यक्ष शैलेश मोना जैन द्वारा दी गई और उसके बाद शानदार हास्य मस्ती धूम से भरपूर पजामा पार्टी का आयोजन किया गया जिसका सभी मेंबर्स ने खूब आनंद लिया और सराहा। विजेता टीम के सभी सदस्यों को पुरस्कार दिए गए साथ ही तीनों दिनों तक चले टास्क में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर रहे सदस्यों को पुरस्कार दिया गया बेस्ट ड्रेस अप का अवार्ड भी सदस्यों के बीच से ही कपल को चुन कर दिया गया । इस मिटिंग के संयोजक श्री मनोज भावना लोढा, राजेश नीतू जैन, विनय अनीता जैन एवं सह संयोजक अनीष रूचि जैन, निखिलेश प्रेरणा रांका, नितिन नीलू जैन, प्रिंस हर्षा जैन ,टीटू मोना श्रीमाली थे।

दु:खद घटना में मासूम के निधन पर शोकाकुल परिवार के बीच पहुंचे महापौर

ढाढ़स बँधाया, गहरा दुख प्रकट किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट **इंदौर।** इदरिस नगर में पाँच वर्षीय मासूम की दुखद घटना में निधन के बाद महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शोकाकुल परिवार के बीच पहुँच कर ढाढ़स बँधाया साथ ही इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए भी विश्वास दिलाया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा की निश्चित तौर पर एक बहुत ही दुखद घटना है और शहर में जितने भी निर्माण कार्य हैं जो बिना नियमों का पालन किए किए जा रहें है उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं तथा जहा भी कार्य चल रहा वहा सुरक्षा के पूरे इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रकरण में भी तत्काल ठेकेदार के खिलाफ एफ आई आर करने के निर्देश दिए ओर एफ आई आर दर्ज कराई गई हैं साथ ही अधिकारियों को भी घटना की जांच करने के निर्देश दिए हैं और नगर निगम के दोषी अधिकारी जिन्होंने लापरवाही बरती है उनके खिलाफ हम कार्रवाई करेंगे। सोमवार को शोकाकुल परिवार से मुलाकात हुई है दोषियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं । इसकी पुनरावृत्ति ना हो इसको लेकर लगातार अधिकारियों से चर्चा कर निर्देश दिए हैं और इन सभी विकास कार्यों को लेकर और दिशा निर्देश के लिए एक रिव्यू बैठक भी आयोजित की गई है।

कटाक्ष

एक दिवसीय रोजगार मेला 30 जून को

निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में मिलेगा रोजगार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। राज्य शासन द्वारा 30 जून को प्रदेशव्यापी रोजगार दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इंदौर जिले में भी कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी के निर्देशन में एक दिवसीय रोजगार दिवस एवं रोजगार मेला कार्यक्रम का आयोजन जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र इंदौर एवं जिला रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 30 जून को प्रात साढ़े 10 बजे से शाम 3 बजे तक एसोसियेशन ऑफ इंडस्ट्रीज, पोलोग्राउंड जिला उद्योग केन्द्र के पास किया जा रहा है।

इस रोजगार दिवस कार्यक्रम में शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं में लाभान्वित हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र के वितरण एवं विभिन्न गतिविधियों के साथ साथ आयोजित रोजगार मेले में निजी क्षेत्र में रोजगार प्रदान किये जाने के उदेश्य से रोजगार मेले का भी आयोजन किया जा रहा है । उक्त रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे- पटेल मोटर्स, एरेना सुजुकी, अर्थ फायनेन्स, जस्टडॉयल, श्याम ऑटोमोटिव, जॉना स्माल फायनेन्स, भारतीय जीवन बीमा निगम, इंस्टाकनेक्ट, जॅस्टडॉयल, चेकगेट सर्विसेस, चैनल प्ले आदि प्रतिष्ठित कम्पनी के लगभग 500 से अधिक विभिन्न पदों जैसे- सेल्स एक्जिकिटीव, टेक्नीशियन, टेलीकॉलर, टीम लिडर, डिलेवरीबॉय, सुरक्षा गार्ड, लोडर, बीमा सलाहकार एवं पेकिंग कर्मचारी आदि के पदों हेतू आकर्षक वेतन पर रोजगार प्रदान करने हेतु कम्पनियों के प्रतिनिधि आवेदको के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे । उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया है कि मेले में 18 से 45 वर्ष के आवेदक जो कि हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास आवेदक एवं तकनीकी योग्यता के आवेदक भी उक्त पदों हेतू रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते है। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले आवेदक अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा की प्रतियाँ एवं अन्य प्रमाण पत्र जैसे- आधार कार्ड आदि के प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों भी आवश्यक रूप से साथ लायें।

आयुष्मान कार्ड बनाने में इंदौर जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट **इंदौर।** आयुष्मान भारत योजना का इंदौर जिले में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन्दौर जिले में लक्ष्य से अधिक हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय इंदौर से प्राप्त जानकारी अनुसार इंदौर जिले में कुल पात्र हितग्राहियों के लक्ष्य 11 लाख 74 हजार 252 के परिपालन में आज दिनांक तक लगभग 12 लाख 28 हजार आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके है, जो कि जिले के कुल लक्ष्य का 104.5 प्रतिशत है और प्रदेश में सर्वाधिक है। आज दिनांक तक कुल 1 लाख 47 हजार 748 पात्र हितग्राहियों को योजना अंतर्गत 234.61 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत कर विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में उपचार दिया जा चुका है। इन्दौर जिले में योजना अंतर्गत कुल 12 शासकीय चिकित्सालय एवं 68 निजी चिकित्सालय विभिन्न बीमारियों में पंजीकृत होकर कार्य कर रहे हैं।

क्वीन्स कॉलेज की बस का फिटनेस किया निरस्त

● बस परमिट तथा चालक का ड्रायविंग लायसेंस भी किया निलंबित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कलेक्क्टर डॉ. इलैयाराजा टी के निर्देश पर शैक्षणिक संस्थानों के बसों की निरंतर चेकिंग की जा रही है तथा नियमों का उल्लंघन करने और लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है। आज क्वीन्स कालेज, खण्डवा रोड, इन्दौर की बस सुबह लगभग 7.15 बजे बीजलपुर की तरफ से खण्डवा रोड़ स्थित स्कूल की तरफ जा रही थी, जब बस राजीव गांधी चौराहे पर पंहुची तो मोड़ पर बस का पीछे वाला गेट अचानक खुल गया और आठवी कक्षा की एक छात्रा बस से नीचे गिर गई।

उक्त घटना की जानकारी जब इन्दौर कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी को प्राप्त हुई तो उन्होंने तत्काल आर.टी.ओ. और तहसीलदार श्री नीरज प्रजापति को मौके पर जांच के लिए भेजा। इस संबंध में बस की जांच की गई तथा स्कूल प्रबंधन एवं छात्रा सहित उसके पिता से चर्चा की गई। जांच में पाया गया कि बस में छात्रा को बैठने की जगह नहीं मिलने पर वह दरवाजे के पास खड़ी थी अर्थात बस ओव्हरलोड थी। बस का दरवाजा भी सही तरीके से बंद नहीं था अथवा खराब था जिससे यह दुर्घटना घटित हुई। जांच पश्चात तत्काल उक्त बस का फिटनेस प्रमाण पत्र निरस्त किया गया एवं वाहन को जारी परमिट तथा चालक का ड्रायविंग लायसेंस निलंबित कर दिया गया। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी की ओर से भी कॉलेज प्रबंधन को नोटिस जारी किया जा रहा है।

अब सीवरेज लाइन चोक होने पर स्क्रीन पर दिखाई देगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह विगत दिवस निरीक्षण के दौरान वर्कशॉप विभाग के प्रभार मनीष पांडे द्वारा मैरियट होटल के सामने सीवरेज लाइन में चोक होने पर कैमरा लाइन के अंदर डाल कर लाइन के चौक होने की स्थिति स्क्रीन पर पता करने संबंधी डेमो दिया गया।

वर्कशॉप प्रभारी श्री पांडे ने बताया कि निगम द्वारा आर आर आर (3 आर) के कंसेप्ट पर बोरवेल में लगने वाले कैमरे को स्केटिंग पर लगाया जाकर स्क्रीन से कनेक्ट किया गया ,यह कैमरा सीवरेज लाइन चोक होने पर प्रेशर मशीन के पाइप के साथ लाइन के अंदर चले जाएगा तथा सीवरेज लाइन किस प्रकार से चौक है उसकी पूरी स्थिति कैमरे के माध्यम से स्क्रीन पर देखी जा सकेगी। विदित हो कि उक्त प्रकार का कैमरा बड़ी कंपनियों से लेने पर प्रत्येक कैमरे की कीमत लगभग 4,50,000 होती है, निगम द्वारा 3 आर के कंसेप्ट पर बनाए गए कैमरा की लागत केवल 35000 लगी है। इस कैमरे को उपयोग अन्य कमरों से आसानी से किया जा सकेगा।

Confidential Investigation & All type of Detective Services

DETECTIVE GROUP®

+91-91110 50101

★ Spousal (or) Pre-Matrimonial check
★ Post-Marital Check
★ Individual Character (Personal Cases)
★ Missing Persons Investigation
★ Financial Services Industry
★ Background Investigation
★ Attomeys& Legal Services
★ Investigation (Audio / Video)
★ Bussiness Partners, Bussiness & Corporate
★ Real Estate Fraud Investigation
★ Corporate & Financial Investigation Services
★ Spousal (or) Matrimonial Affair During Divorce of Spouse
★ Human Resource Professionals Investigation / Shadowing
★ Individual Clients Missing / Kidnapped
★ Background Investigation
★ Criminal Record Check
★ Cyber Fraud Investigation
★ Forensic Investigation & Documents, Handwriting Check

पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता

www.detectivegroup.in

5 ऑनलाइन गेम्स के जरिए नाबालिगों का धर्मांतरण

लगातार हार रहे बच्चों को टारगेट करता है गैंग, 5 वक्त का नमाजी जीतता है

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। ऑनलाइन गेम्स के जरिए टीनएजर्स और युवाओं का ब्रेनवॉश कर धर्मांतरण कराने का बड़ा खुलासा हुआ है। 26-27 मई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ठकअ) की टीम ने जबलपुर में 13 जगहों पर छापेमारी की। छापेमारी के बाद आदिल, शाहिद और मामूर को गिरफ्तार किया। एनआईए ने बताया कि ये तीनों आतंकी संगठन करकर के संपर्क में थे। तीनों ऑनलाइन गेमिंग एप्स के जरिए युवाओं का ब्रेनवॉश कर इस्लाम में कन्वर्ट करने का काम करते थे। तीनों आरोपी उस टीम का हिस्सा थे, जो टीनएजर और युवाओं को ऑनलाइन गेम्स के जरिए इस्लाम अपनाने के लिए उकसाते थे।

इन गेम्स में जब प्लेयर हारने लगते हैं तो कहा जाता है कि अगर जीतना चाहते हो तो कुरान की आयतें पढ़ो। जब प्लेयर उन आयतों को पढ़ता है तो उसे जिता देते। इससे उसके मन में इस्लाम के प्रति श्रद्धा बढ़ जाती है। ऐसी आयतों को ही पढ़ने के लिए कहा जाता है जो धार्मिक कट्टरता या इस्लाम में भरोसा बढ़ाती हो। ऑनलाइन जिहाद फैलाने वाले जबलपुर के तीनों आरोपी उस टीम के मेंबर हैं, जिस पर हाल ही में गाजियाबाद में एक जैन परिवार के 12वीं पास नाबालिग के गेम के जरिए पांच वक्त का नमाजी बनाकर उसका धर्मांतरण कराने का आरोप लगा था।

ऐसे ऑनलाइन गेम्स के जरिए फैला रहे हैं कट्टरवाद

ये लोग उन सभी गेम्स के मास्टर होते हैं, जो आमतौर पर टीनएजर और युवा खेलते हैं। ये लोग इतने पारंगत हो जाते हैं कि ये हारते नहीं हैं। कुल मिलाकर आप इन्हें ऑनलाइन गेम्स का एक्सपर्ट कह सकते हैं। ये यूजर नेम और आईडी बदलकर गेम्स में उतरते हैं। ये नए-नए युवाओं के साथ टीम बनाते हैं। उनसे गेम की आड़ में चैट करते हैं। गेम को लेकर उसकी दीवानगी को बढ़ाते हैं। जानबूझकर उस स्तर पर गेम को लाते हैं, जिसमें हारने की स्थिति आ जाए।

युवाओं को जाकिर नाइक के वीडियो देखने के लिए कहते हैं

इंडियन यूथ को कन्वर्ट करने का गेम इसी डिस्कॉर्ड चैट पर चल रहा है। खुफिया एजेंसीज को शक है कि ये काम अभी भी जारी है। कन्वर्ट करने वाली गैंग के लोग यूथ के साथ टीम बनाकर गेम खेलते हैं। उनके करीब आते हैं। फिर डिस्कॉर्ड चैट पर उनका ब्रेनवॉश करते हैं। अब तक जो जानकारी लगी है उसमें खुलासा हुआ है कि ये लोग युवाओं को जाकिर नाइक के वीडियोज देखने के लिए कहते हैं। गेम जीतने के लिए कुरान की आयतें पढ़ने के लिए कहते हैं। फिर आयतें पढ़ने वाले युवाओं को गेम में टीम बनाकर जितवाते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भोपाल पहुंचे

● बोले- पीएम मोदी ने बढ़ाया देश का गौरव, सरकार की उपलब्धियों पर लगी प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को भोपाल पहुंचे। स्टेट हैंगर पर बीजेपी नेताओं ने उनका स्वागत किया। मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित जनसभा को भी नड्डा ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ढट मोदी यूएस और इजिप्ट की यात्रा करके आए हैं। उन्होंने देश का गौरव बढ़ाया है। मिस्र ने अपना सर्वोच्च सम्मान ह्यऑर्डर ऑफ द नाइल से मोदी को सम्मानित किया है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। वहीं, देश के प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त होने के बावजूद भी प्रधानमंत्री संगठन के लिए हमेशा अपना योगदान देते हैं। मंगलवार को भोपाल से वे देश को संदेश देने वाले हैं। राजाभोज एयरपोर्ट स्थित स्टेट हैंगर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, कैलाश विजयवर्गीय, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने स्वागत किया। इस दौरान नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह सहित मप्र भाजपा के कई अन्य नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके बाद जेपी नड्डा होटल जहांनुमा के लिए रवाना हुए।

मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में प्रदर्शनी

मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में राजमाता विजयाराजे सिंधिया प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया। इस दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, सीएम शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री के सिर पर जल गया बल्ब

● प्रद्युम्न तोमर के सिर से टच करते ही जला बल्ब; पेट पकड़कर हंसे सिंधिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर। ग्वालियर में रविवार को ऐसा वाक्या हुआ कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ठहाके लगाकर हंसने लगे। यहां एक सामाजिक कार्यक्रम में मंच पर बैठे ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के शरीर में जादूगर ने करंट पैदा कर दिया। उसने तोमर के सिर से छएऊ बल्ब टच किया तो वो जल गया। ये देखकर सिंधिया समेत सभी लोग देर तक हंसते रहे। प्रद्युम्न सिंह तोमर ग्वालियर से विधायक हैं। 2020 में सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने पर वे भी बीजेपी में शामिल हो गए थे। दो दिवसीय प्रवास पर ग्वालियर आए केंद्रीय नागरिक विमानन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कई कार्यक्रमों में शिरकत की। वे दिल्ली रवाना होने से पहले रमटापुरा संयोग गार्डन में सर्व कोरी/कोली समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में भी पहुंचे। यहां जादूगर दुर्गा प्रसाद बकना भी आए थे। उन्होंने कार्यक्रम में आए लोगों का अपनी कला से खूब मनोरंजन किया। जादूगर दुर्गा प्रसाद अपने साथ बल्ब लेकर आए थे। उन्होंने कहा- देखिए, बिजली मंत्री में कितना करंट हैं और बल्ब तोमर के सिर पर लगा दिया। बल्ब तुरंत जलने लगा। दुर्गा प्रसाद का अंदाज कुछ ऐसा था कि मुख्य अतिथि सिंधिया अपनी हंसी नहीं रोक पाए। काफी देर तक हंसने के बाद सिंधिया ने जादूगर को पास बुलाया और अपने हाथ में लेकर बल्ब चेक किया। उन्होंने इसे जादूगर के सिर पर लगाया, लेकिन बल्ब नहीं चला। इस पर बल्ब वापस करने के बाद सिंधिया एक बार फिर जोर-जोर से हंसने लगे। तोमर ने भी उनका साथ देते हुए ठहाका लगाया।

हनुमान मंदिर में ड्रेस कोड लागू

पोस्टर लगाया- मंदिर में जींस, स्कर्ट, हाफ पैंट पहनकर आना मना है

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। मध्यप्रदेश के अशोकनगर, भोपाल के बाद अब उज्जैन के हनुमान मंदिर में भी ड्रेस कोड लागू कर दिया है। नागदा में स्थित खड़े हनुमान मंदिर में पोस्टर लगाया गया है। इसमें लिखा है कि छोटे वस्त्र, हाफ पैंट, बरमूडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट, कटी-फटी जीन्स आदि ऐसे कपड़े पहनकर आने वालों को एंट्री नहीं दी जाएगी। ऐसे लोग मंदिर के बाहर से ही दर्शन कर सकेंगे।

नागदा के खड़े हनुमान मंदिर में सोमवार सुबह जब श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे, तो मंदिर गेट के पास पोस्टर लटका दिखा। जिस पर लिखा था सभी महिलाओं एवं पुरुषों से निवेदन है कि मर्यादित वस्त्र पहनकर ही मंदिर में प्रवेश करें। छोटे वस्त्र, हाफ पैंट, बरमूडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट, कटी-फटी जीन्स आदि ऐसे कपड़े पहनकर आने पर बाहर से ही दर्शन कर सहयोग करें। - भारतीय संस्कृति का पालन करते हुए सात्विक वस्त्र में ही प्रवेश करें।

हालांकि पोस्टर में प्रवेश पर प्रतिबंध की बात नहीं कही गई है। पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मंदिर के पुजारी पवन ने बताया कि खड़े हनुमान का प्राचीन मंदिर है। पोस्टर लगाने के पीछे का उद्देश्य यही है कि जो नए भक्त आते हैं, वो मर्यादा का ख्याल रखें। मंदिर में आने वाली युवा पीढ़ी को मोटिवेशन मिले।

भोपाल में दो मंदिरों में ड्रेस कोड

बता दें कि महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड के कई मंदिरों में ड्रेस कोड लागू है। इसके बाद अशोकनगर स्थित बालाजी मंदिर में कुछ दिन पहले ड्रेस कोड लागू किया गया। इसके बाद भोपाल के मां वैष्णो धाम आदर्श नव दुर्गा मंदिर में ड्रेस कोड लागू कर दिया गया था। वहीं, मंगलवार को मंगलवारा स्थित जैन मंदिर में ड्रेस कोड लागू हो गया।

संस्कृति बचाओ मंच ने मंदिरों में लगाए बोर्ड

इधर, संस्कृति बचाओ मंच ने भोपाल के अन्य मंदिरों में भी बोर्ड लगाए हैं। इन बोर्ड में शालीन और मर्यादित कपड़े पहनकर ही मंदिरों में प्रवेश किए जाने की बात लिखी गई है। न्यू मार्केट स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर और अवंतिबाई चौराहा स्थित प्राचीन माता मंदिर में बोर्ड लगाकर श्रद्धालुओं से अपील की गई है। मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि भोपाल के सभी मंदिरों में ड्रेस कोड लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए बोर्ड भी लगाए जा रहे हैं।

भाजपा नेता की गोली से घायल छात्रा की मौत

परिजन बोले- आरोपी को फांसी दी जाए; पुलिस ने जोड़ा हत्या का केस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर। जबलपुर में भाजपा नेता प्रियांश विश्वकर्मा के गोली मारने से घायल एमबीए छात्रा ने सोमवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह पिछले 10 दिन से अस्पताल में भर्ती थी। पीठ में गोली फंसी होने के कारण उसके शरीर में जहर फैल गया था। छात्रा की मौत के बाद पुलिस ने प्रियांश के खिलाफ दर्ज एफआईआर में हत्या की धारा 302 बढ़ा दी है। परिजनों ने आरोपी को फांसी की सजा दिए जाने की मांग की है। 16 जून को भाजपा नेता प्रियांश विश्वकर्मा ने अपने ऑफिस में वेदिका को गोली मारी थी। इसके बाद घायल हालत में उसे लेकर 6 घंटे तक घूमता रहा। इस दौरान प्रियांश ने उसे इलाज के लिए दो निजी अस्पताल ले गया। शाम 6 बजे दमोह नाका स्थित एक अस्पताल में उसे छोड़कर फरार हो गया था।

पीठ में फंसी थी गोली फैलता गया जहर

वेदिका के चाचा अशोक ठाकुर ने बताया कि घटना के बाद उसकी हालत में सुधार आया था, लेकिन पीठ में गोली फंसी रहने से धीरे-धीरे जहर फैलता गया। उसकी हालत नाजुक हो गई। वेदिका के पेट का ऑपरेशन भी किया गया था। शनिवार को उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए वेंटिलेटर पर शिफ्ट किया। डाक्टरों का कहना है कि वेदिका के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। सोमवार को उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपी ने 19 जून को किया सरेंडर

गोलीकांड के बाद भाजपा नेता प्रियांश विश्वकर्मा फरार था। पुलिस की कई टीम उसे तलाश कर रही थी। इस बीच, 19 जून की दोपहर प्रियांश इखढ लिखी काले रंग की स्कॉर्पियो से धनवंतरी नगर पुलिस चौकी पर समर्थकों के साथ पहुंचा। यहां उसने सरेंडर कर दिया। हालांकि पुलिस का कहना था कि प्रियांश को अंधमूक बायपास से गिरफ्तार किया गया। फिर उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस की मानें तो प्रियांश के दफ्तर में जो सीसीटीवी लगे थे, वह खराब थे। हालांकि वेदिका के परिवार वाले इस बयान को मनाने के लिए तैयार नहीं है।

पुलिस की कार्रवाई पर भी उठे सवाल

गोलीकांड के बाद पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठे। पुलिस ने आरोपी भाजपा नेता प्रियांश के खिलाफ धारा 308 के तहत केस दर्ज किया। इसे लेकर परिजनों समेत कांग्रेस ने विरोध किया। दबाव के कारण पुलिस ने धारा 308 को बढ़ाकर 307 की। पुलिस गिरफ्त में आने के बाद प्रियांश पुलिस को बरगलाता रहा। उसका कहना था कि जिस पिस्टल से गोली लगी थी, वह खराब थी। उसकी स्प्रिंग खराब थी, कब गोली चल गई पता नहीं चला।

केस डायरी कोर्ट में पेश करेगी पुलिस

वेदिका की मौत के बाद पुलिस ने प्रियांश के खिलाफ हत्या की धारा बढ़ा दी है। पुलिस ने वेदिका के शरीर से निकली गोली को भी जांच के लिए एफएसएल को भेजा है। पुलिस के मुताबिक वेदिका गोलीकांड को चिन्हित और संगीन अपराधों में शामिल किया है। जल्द ही केस डायरी कोर्ट में पेश की जाएगी।

पटवारी 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सागर। सागर में लोकायुक्त टीम ने पड़रिया के पटवारी गौरव मिश्रा को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा है। गौरव ने जमीन के सीमांकन कराने के ऐवज में रुपए मांगे थे। टीम ने उसे नाजिर शाखा में रंगेहाथ पकड़ा। उसे सिविल थाने ले जाया गया, जहां कार्रवाई चल रही है। कार्रवाई टीम में लोकायुक्त उपुअ मंजू सिंह, निरीक्षक रंजीत सिंह, रोशनी जैन, प्रआर अजय क्षेत्रीय, आरक्षक आशुतोष व्यास, सुरेंद्र ठाकुर, विक्रम सिंह, नीलेश पांडेय आदि शामिल थे।

संपादकीय

रणनीतिक साझेदारी बहुत अहम

मिस्र में भारत के लिए बड़ी अड़चन चीन है। मिस्र से चीन का कारोबार भारत से करीब दो गुना अधिक है। फिर, कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद जिस तरह मिस्र की आर्थिक स्थिति कमजोर हुई है, वह चीन की तरफ नजरें टिकाए रहता है। पिछले नौ सालों में मिस्र के राष्ट्रपति करीब आठ बार चीन की यात्रा कर चुके हैं। पिछले छब्बीस सालों में यह पहली बार था, जब भारतीय प्रधानमंत्री मिस्र की यात्रा पर गए। इस बार प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद दोनों देशों ने इसे रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने का संकल्प लिया है। हालांकि मिस्र और भारत के संबंध सदियों पुराने हैं, मगर आज जिस तरह से दुनिया बदल रही है, उसमें रणनीतिक साझेदारी बहुत अहम हो गई है। भारत के लिए मिस्र एक बड़ा बाजार है, वह मिस्र को बड़े पैमाने पर निर्यात भी करता है, मगर अब भी वह उसकी पूरी संभावनाओं का दोहन नहीं कर पा रहा है। नए समझौतों के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि मिस्र के साथ व्यापार मौजूदा करीब सात अरब डालर से बढ़ कर पंद्रह अरब डालर तक पहुंच जाएगा। हालांकि इसकी राह में कुछ चुनौतियां भी हैं। भारत मिस्र को इस्लामिक सहयोग संगठन के महत्त्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखता है। इस तरह मिस्र के साथ संबंध प्रगाढ़ होने से इस्लामिक देशों के साथ भी भारत के रिश्ते मजबूत होंगे। इस वक्त भारत के लिए बड़ी चुनौती पड़ोसी देश से आतंकवादी प्रश्रय को खत्म करने की है। अमेरिकी संसद को संबोधित करते हुए भी प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर उस पर नकेल कसने की जरूरत पर बल दिया।मिस्र में भी उन्होंने इसे रेखांकित किया। अगर मिस्र गंभीरता दिखाए, तो पाकिस्तान से भारत को मिल रही आतंकी चुनौतियों को कम करने में काफी मदद मिल सकती है। प्रधानमंत्री की मिस्र यात्रा के बाद भारतीय व्यापार संगठनों ने सुझाव दिया है कि भारत को मिस्र के साथ मुक्त व्यापार शुरू करना चाहिए, इस तरह मिस्र की व्यापारिक संभावनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाया जा सकता है। इस पर भारत सरकार क्या कदम उठाती है, देखने की बात है। मगर व्यापारिक दृष्टि से मिस्र अब भी भारत के लिए बड़ा बाजार है। करीब पचास भारतीय कंपनियों ने वहां लगभग साढ़े तीन अरब डालर निवेश किया हुआ है। भारत अपने निर्यात का बड़ा हिस्सा मिस्र को भेजता है। फिर स्वेज नहर के जरिए अफ्रीका और यूरोप तक भारत की पहुंच आसान हो सकती है।

अर्ज किया है..!

शाम ढलने से फ़क़त
शाम नहीं ढलती है
उम्र ढल जाती है जल्दी
पलट आना मिरे दोस्त

-अशफ़ाक़ नासिर

धर्म-कर्म

चतुर्मास महात्म्य

शास्त्रों में चतुर्मास की बहुत विस्तृत महिमा कही गई है चातुर्मास में की गई साधना व छोटी से छोटी उपासना भी महान फल को देने वाली बताई गई है इस समय अवधि में किया गया दान मंत्र जप व नियम पालन अक्षय फल को देने वाले बताए गए हैं इस वर्ष पुरुषोत्तम मास(अधिक मास)आने से इसकी महिमा और बढ़ गई है

इस बार चातुर्मास 29 जून (देव शयनी एकादशी) से 23 नवंबर (देव ऊठनी एकादशी तक है)

शास्त्रों में स्पष्ट निर्देश व आदेश है कि किसी भी व्यक्ति को बिना कुछ नियम लिए चतुर्मास व्यतीत नहीं करना चाहिए कुछ ना कुछ नियम अवश्य लेना चाहिए।

स्कंद पुराण ,पद्म पुराण आदि में वर्णित नियम जो चतुर्मास में लिए जा सकते हैं वह निम्नलिखित है उसमें से किसी भी दो-तीन नियमों का या एक नियम का चयन करके आप पालन कर सकते हैं

1) नित्य मंदिर दर्शन का नियम

2)* नित्य निर्धारित संख्या मे नाम जप का नियम*

3) नित्य भगवद्गीता के एक श्लोक या एक अध्याय के पाठ का नियम

4) नित्य श्रीमद्भागवत महापुराण के पाठ का नियम

5) नित्य पवित्र नदियों के स्नान का नियम (नित्य संभव नहीं हो तो अमावस्या पूर्णिमा का एकादशी के दिन स्नान करे)

6) शैय्या त्याग का नियम

8) शास्त्र विरुद्ध आहार के त्याग का नियम(प्याज लहसुन गाजर भटा मूली कद्दू लेसुआ, मशरूम)

9) नित्य विष्णु सहस्त्रनाम के जप का नियम

10) नित्य शिव सहस्त्रनाम के जप का नियम

11) शिव महापुराण के पारायण का नियम

12) वट वृक्ष रोपण

13) पीपल वृक्ष रोपण

14) तुलसी वृक्षारोपण

15) नित्य पुरुष सूक्त के जप का नियम

16) बिल्व वृक्ष रोपण

17) चतुर्मास की एकादशी के व्रत का नियम

18) पलाश के पत्ते की पत्तल में भोजन का नियम

19) नित्य दीपदान का नियम

20) तीर्थ दर्शन का नियम

21) अपने प्रिय भोज्य पदार्थ का चतुर्मास में त्याग

22) विविध शास्त्रोक्त वस्तुओ के दान का नियम

23) देवीभागवत के पारायण का नियम

चातुर्मास्य व्रत की महिमा

चतुर्मास में प्रतिदिन एक समय भोजन करने वाला पुरुष अग्निष्टोम यज्ञ के फल का भागी होता है। पंचगव्य सेवन करने वाले मनुष्य को चन्द्रायण व्रत का फल मिलता है। यदि धीर पुरुष चतुर्मास में नित्य परिमित अन्न का भोजन करता है तो उसके सब पातकों का नाश हो जाता है और वह वैकुण्ठ धाम को पाता है। चतुर्मास में केवल एक ही अन्न का भोजन करने वाला मनुष्य रोगी नहीं होता।

जो मनुष्य चतुर्मास में केवल दूध पीकर अथवा फल खाकर रहता है, उसके सहस्त्रों पाप तत्काल विलीन हो जाते हैं।

पंद्रह दिन में एक दिन संपूर्ण उपवास करने से शरीर के दोष जल जाते हैं और चौदह दिनों में तैयार हुए भोजन का रस ओज में बदल जाता है। इसलिए एकादशी के उपवास की महिमा है।

वैसे तो गृहस्थ को महीने में केवल शुक्लपक्ष की एकादशी रखनी चाहिए, किंतु चतुर्मास की तो दोनों पक्षों की एकादशियाँ रखनी चाहिए।

जो बात करते हुए भोजन करता है, उसके वार्तालाप से अन्न अशुद्ध हो जाता है। वह केवल पाप का भोजन करता है। जो मौन होकर भोजन करता है, वह कभी दुःख में नहीं पड़ता। मौन होकर भोजन करने वाले राक्षस भी स्वर्गलोक में चले गये हैं। यदि पके हुए अन्न में कीड़े-मकोड़े पड़ जायें तो वह अशुद्ध हो जाता है। यदि मानव उस अपवित्र अन्न को खा ले तो वह दोष का भागी होता है। जो नरश्रेष्ठ प्रतिदिन 'ॐ प्राणाय स्वाहा, ॐ अपानाय स्वाहा, ॐ व्यानाय स्वाहा, ॐ उदानाय स्वाहा, ॐ समानाय स्वाहा' – इस प्रकार प्राणवायु को पाँच आहुतियाँ देकर मौन हो भोजन करता है, उसके पाँच पातक निश्चय ही नष्ट हो जाते हैं।

चतुर्मास में जैसे भगवान विष्णु आराधनीय हैं, वैसे ही ब्राह्मण भी। भाद्रपद मास आने पर उनकी महापूजा होती है। जो चतुर्मास में भगवान विष्णु के आगे खड़ा होकर 'पुरुष सूक्त' का पाठ करता है, उसकी बुद्धि बढ़ती है।

चतुर्मास सब गुणों से युक्त समय है। इसमें धर्मयुक्त श्रद्धा से शुभ कर्मों का अनुष्ठान करना चाहिए ।

सत्संगे द्विजभक्तिश्च गुरुदेवाग्नितर्पणम्।
गोप्रदानं वेदपाठः सत्क्रिया सत्यभाषणम्।।
गोभक्तिर्दानभक्तिश्च सदा धर्मस्य साधनम्।

'सत्संग, भक्ति, गुरु, देवता और अग्नि का तर्पण, गोदान, वेदपाठ, सत्कर्म, सत्यभाषण, गोभक्ति और दान में प्रीति – ये सब सदा धर्म के साधन हैं।'

देवशयनी एकादशी से देवउठी एकादशी तक उक्त धर्मों का साधन एवं नियम महान फल देने वाला है। चतुर्मास में भगवान नारायण योगनिद्रा में शयन करते हैं, इसलिए चार मास शादी-विवाह और सकाम यज्ञ नहीं होते। ये मास तपस्या करने के हैं।

चतुर्मास में योगाभ्यास करने वाला मनुष्य ब्रह्मपद को प्राप्त होता है। 'नमो नारायणाय' का जप करने से सौ गुने फल की प्राप्ति होती है। यदि मनुष्य चतुर्मास में भक्तिपूर्वक योग के अभ्यास में तत्पर न हुआ तो निःसंदेह उसके हाथ से अमृत का कलश गिर गया। जो मनुष्य नियम, व्रत अथवा जप के बिना चौमासा बिताता है वह मूर्ख है।

बुद्धिमान मनुष्य को सदैव मन को संयम में रखने का प्रयत्न करना चाहिए। मन के भलीभाँति वश में होने से ही पूर्णतः ज्ञान की प्राप्ति होती है।

'एकमात्र सत्य ही परम धर्म है। एक सत्य ही परम तप है। केवल सत्य ही परम ज्ञान है और सत्य में ही धर्म की प्रतिष्ठा है। अहिंसा धर्म का मूल है। इसलिए उस अहिंसा को मन, वाणी और क्रिया के द्वारा आचरण में लाना चाहिए।'

(स्कं. पु. ब्रा. 2.18-19)

चतुर्मास में विशेष रूप से जल की शुद्धि होती है। उस समय तीर्थ और नदी आदि में स्नान करने का विशेष महत्त्व है। नदियों के संगम में स्नान के पश्चात् पितरों एवं देवताओं का तर्पण करके जप, होम आदि करने से अनंत फल की प्राप्ति होती है। ग्रहण के समय को छोड़कर रात को और संध्याकाल में स्नान न करें । गर्म जल से भी स्नान नहीं करना चाहिए। गर्म जल का त्याग कर देने से पुष्कर तीर्थ में स्नान करने का फल मिलता है।

जो मनुष्य जल में तिल और आँवले का मिश्रण अथवा बिल्वपत्र डालकर ॐ नमः शिवाय का चार-पाँच बार जप करके उस जल से स्नान करता है, उसे नित्य महान पुण्य प्राप्त होता है। बिल्वपत्र से वायु प्रकोप दूर होता है और स्वास्थ्य की रक्षा होती है।

चतुर्मास में जीव-दया विशेष धर्म है। प्राणियों से द्रोह करना कभी भी धर्म नहीं माना गया है। इसलिए मनुष्यों को सर्वथा प्रयत्न करके प्राणियों के प्रति दया करनी चाहिए। जिस धर्म में दया नहीं है वह दूषित माना गया है। सब प्राणियों के प्रति आत्मभाव रखकर सबके ऊपर दया करना सनातन धर्म है, जो सब पुरुषों के द्वारा सदा सेवन करने योग्य है।

सब धर्मों में दान-धर्म की विद्वान लोग सदा प्रशंसा करते हैं। चतुर्मास में अन्न, जल, गौ का दान, प्रतिदिन वेदपाठ और हवन – ये सब महान फल देने वाले हैं।

सतकर्म , सत्कथा, सत्पुरुषों की सेवा, संतों के दर्शन, भगवान विष्णु का पूजन आदि सत्कर्मों में संलग्न रहना और दान में अनुराग होना – ये सब बातें चतुर्मास में दुर्लभ बतायी गयी है। चतुर्मास में दूध, दही, घी एवं मट्ठे का दान महाफल देने वाला होता है। जो चतुर्मास में भगवान की प्रीति के लिए विद्या, गौ व भूमि का दान करता है, वह अपने पूर्वजों का उद्धार कर देता है। विशेषतः चतुर्मास में अग्नि में आहूति, भगवद् भक्त एवं पवित्र ब्राह्मणों को दान और गौओं की भलीभाँति सेवा, पूजा करनी चाहिए।

पितृकर्म (श्राद्ध) में सिला हुआ वस्त्र नहीं पहनना चाहिए। जिसने असत्य भाषण, क्रोध तथा पर्व के अवसर पर मैथुन का त्याग कर दिया है, वह अश्वमेघ यज्ञ का फल पाता है। असत्य भाषण के त्याग से मोक्ष का दरवाजा खुल जाता है। किसी पदार्थ को उपयोग में लाने से पहले उसमें से कुछ भाग सत्पात्र ब्राह्मण को दान करना चाहिए। जो धन सत्पात्र ब्राह्मण को दिया जाता है, वह अक्षय होता है। इसी प्रकार जिसने कुछ उपयोगी वस्तुओं को चतुर्मास में त्यागने का नियम लिया हो, उसे भी वे वस्तुएँ सत्पात्र ब्राह्मण को दान करनी चाहिए। ऐसा करने से वह त्याग सफल होता है।

चतुर्मास में जो स्नान, दान, जप, होम, स्वाध्याय और देवपूजन किया जाता है, वह सब अक्षय हो जाता है। जो एक अथवा दोनों समय पुराण सुनता है, वह पापों से मुक्त होकर भगवान विष्णु के धाम को जाता है। जो भगवान के शयन करने पर विशेषतः उनके नाम का कीर्तन और जप करता है, उसे कोटि गुना फल मिलता है।

देवशयनी एकादशी के बाद प्रतिज्ञा करना कि "हे भगवान ! मैं आपकी प्रसन्नता के लिए अमुक सत्कर्म करूँगा।" और उसका पालन करना इसी को व्रत कहते हैं। यह व्रत अधिक गुणों वाला होता है। अग्निहोत्र, भक्ति, धर्मविषयक श्रद्धा, उत्तम बुद्धि, सत्संग, सत्यभाषण, हृदय में दया, सरलता एवं कोमलता, मधुर वाणी, उत्तम चरित्र में अनुराग, वेदपाठ, चोरी का त्याग, अहिंसा, लज्जा, क्षमा, मन एवं इन्द्रियों का संयम, लोभ, क्रोध और मोह का अभाव, वैदिक कर्मों का उत्तम ज्ञान तथा भगवान को अपने चित्त का समर्पण – इन नियमों को मनुष्य अंगीकार करे और व्रत का यत्नपूर्वक पालन करे।

-बाबापण्डित (http://www.babapandit.com)

Highlights

1. 1 killed & 4 injured as two groups clash in West Bengal's Cooch Behar
2. Which are the top 10 emerging technologies of 2023 as per WEF ?
3. MCA gathering info on BYJU'S, probe decision expected soon: Report
4. Atiq's sister moves SC demanding probe in Atiq-Ashraf's encounter
5. Women activists interfering in Manipur ops, says Army, posts video
6. Caste will have no role in temple priests' appointment: Madras HC

Adani group eyes robust growth, shares ₹90,000 crore EBITDA target for 2-3 years

NEW DEIHI, (Agency). Earlier, the group repaid loans aggregating USD 2.65 billion to complete a prepayment programme to cut overall leverage to win back investor trust.

Embattled Adani group is eyeing a 20 per cent year-on-year growth in pre-tax profits to reach ₹90,000 crore EBITDA in 2-3 years on the back of robust growth in businesses ranging from airports to energy, according to notes in an investor presentation.

Earlier this month, the group repaid loans aggregating USD 2.65 billion to complete a prepayment programme to cut overall leverage in an attempt to win back investor trust post a damning report of a US short seller.

The ports-to-energy conglomerate is now looking at robust growth in sectors such as airports, cement, renewables, solar panels, transportation and logistics, and power and transmission, it said adding several of Adani's new infrastructure investments will also begin to fructify and generate cash in the coming years. Adani is expected to see an increase of more than 20 per cent in EBITDA on a consolidated basis in the coming years as it drives robust and sustainable growth across its business portfolio.

Its target EBITDA of over ₹90,000 crore is expected by FY23, the note said. In recent years, the group has made substantial investments in ports and completed significant projects across renewables, transportation and ports. Businesses such as airports and renewables are also exhibiting improved cash flows.

Its solid asset base, built over three decades, supports resilient critical infrastructure and ensures high asset performance throughout their life cycles. The group's listed portfolio EBITDA increased 36 per cent yoy to ₹57,219 crore in FY23 (April 2022 to March 2023 fiscal). Core infrastructure businesses, which constitute 82.8 per cent of the portfolio including energy, transport, logistics, and flagship Adani Enterprise Ltd's infrastructure ventures, registered a robust 23 per cent yoy growth in EBITDA to ₹47,386 crore.

AEL's existing businesses also delivered a strong performance with a 59 per cent yoy growth to ₹5,466 crore. AEL's existing businesses comprise 10 per cent of its portfolio. With about 83 per cent of its EBITDA being generated from core infrastructure businesses, the Adani Group's portfolio operates in utility and infrastructure sectors, providing assured and consistent cash flows.

Go First's lenders approve $55 million fund infusion to revive the bankrupt carrier: Report

NEW DEIHI, (Agency). Lenders to India's Go First, which is under bankruptcy protection, have approved interim funding of 4.50 billion rupees ($54.9 million) to resume operations and restart the airline, two banking sources said.

Go First was granted bankruptcy protection on May 10. Reuters reported last week that the airline has sought 4 billion - 6 billion rupees in additional funds from banks.

"This interim funding does not come with collateral, it will be a part of the insolvency cost and will be given priority over other dues," said one of the bankers.

The promoters, however, have indicated that they do not intend to infuse more funds into the airline, the second banker said.

Both bankers did not wish to be named because they were not authorised to speak to the media.

The Go First bankruptcy filing lists Central Bank of India , Bank of Baroda, IDBI Bank and Deutsche Bank among its creditors, to which the airline owes a total of 65.21 billion rupees.

Now that lenders have given funding approval, the ball is in the aviation watchdog's court to make checks and approve the airline's business plan, both the bankers said. The company's resolution professional will have to handle that process, they added.

New Delhi

प्रगति मैदान टनल में दिनदहाड़े लूट के मामले में पांच गिरफ्तार बंदूक के दम पर वारदात को दिया था अंजाम

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली के प्रगति मैदान टनल में कैब रोककर बंदूक के बल पर दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम देने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। इंडिया गेट व रिंग रोड को जोडऩे वाली प्रगति मैदान टर्नल में हथियारबंद बदमाशों ने बहते ट्रैफिक के बीच बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया था। बदमाशों ने जिस तरह वारदात को अंजाम दिया उससे लग नहीं रहा था कि उनके अंदर कोई डर है। बदमाशों ने ओवरटेक कर कैब रूकवाई और कैश से भरा बैग लूटकर ले गए। बदमाशों ने कुछ ही सेकंड में इस वारदात को अंजाम दिया था।

लूट की वारदात की सामने आई सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि बेखौफ बाइक सवार बदमाश लूट को अंजाम द रहे हैं।

जरात के मेहसाणा के रहने वाले साजन कुमार का चांदनी चौक में सोने चांदी के आभूषण का कारोबार है। वह शनिवार दोपहर को अपने दोस्त जितेंद्र पटेल के साथ कैब से गुरुग्राम स्थित एक फर्म को दो लाख रुपये देने के लिए जा रहे थे। कारोबारी शनिवार शाम तीन से चार बजे के करीब रिंग रोड से प्रगति मैदान टनल होते हुए इंडिया गेट की तरफ जा रहे थे। तभी दो बाइक सवार चार बदमाशों ने उनकी कार के आगे मोटरसाइकिल रोककर पैसों से भरा बैग छीन लिया।

गुजरात के मेहसाणा के रहने वाले साजन कुमार लाल किले से कैब बुक कर रिंग रोड से निकले। प्रगति मैदान से टनल में प्रवेश किया और उन्हें इंडिया गेट की तरफ निकलना था। टनल के अंदर दो बाइक सवार चार बदमाशों ने ओवरटेक कर हथियारों के बल पर उनकी कैब रुकवा ली। इसके बाद पिस्टल दिखा कर कार का शीशा व फिर गेट खुलवाया।

Delhi NCR

एक थाली मंगाने पर दो मुफ्त का विज्ञापन देखकर गवाएं 85 हजार रुपये

गाजियाबाद, (एजेंसी) पीड़ित का कहना है कि उन्होंने तत्काल कार्ड को ब्लॉक करने की कोशिश की, लेकिन तब तक 50898 रुपये खाते से निकल गए। कुछ सेकेंड बाद ही 34612 रुपये दोबारा खाते से निकाल लिए गए। उन्होंने तत्काल साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत रजिस्टर की।

एक थाली मंगाने पर दो थाली खाना मुफ्त का विज्ञापन देखकर ऑर्डर किया तो कालका गढ़ी के युवक के खाते से 85510 रुपये निकाल लिए गए। साइबर ठगों ने युवक से पहले मोबाइल एप डाउनलोड कराया और फिर दो बार में रकम खाते से निकाल ली। पीड़ित घंटाघर कोतवाली में ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कालका गढ़ी में रहने वाले राहुल सक्सेना का कहना है कि उन्होंने फेसबुक पर दक्षिण भारतीय खाने के लिए प्रसिद्ध रेस्तरां का विज्ञापन देखा था। इसमें ऑफर दिया गया था कि खाने की एक थाली खरीदने पर दो थाली मुफ्त मिलेंगी। उस विज्ञापन को खोला तो एक मोबाइल नंबर दर्ज था। उस नंबर पर कॉल की तो कॉल रिसीव करने वाले ने ऑर्डर आईडी नंबर और रेस्तरां के नाम के मोबाइल एप का लिंक भेजा। एप डाउनलोड करने पर उसमें घर का पता और पिनकोड दर्ज किया गया।

Uttarpradesh

मुजफ्फरनगर में दर्दनाक हादसा, पथेर के गड्ढे में गिरकर एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत

मेरठ, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में सोमवार दोपहर को हुए एक दर्दनाक हादसे ने एक ही परिवार के तीन मासूमों की जान ले ली। यहां बुढ़ाना थानाक्षेत्र के रसूलपुर दभेडी गांव में भट्टे के पथेर में गहरे गड्ढे में गिरने से एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत हो गई। घटना से परिवार शोक में डूबा है। गांव रसूलपुर दभेड़ी निवासी हुसैन का बेटा फैसल (6), असद (8) व आरिफ का बेटा एहसान (8) सुबह भट्टे पर खेलने गए थे। बारिश के पानी में खेलते खेलते वे गहरे गड्ढे में गिर गए। उनकी मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। किसी प्रकार उन्हें निकाला गया तीनों बालक कस्बे के निजी अस्पताल में भर्ती करवाए गए। चिकित्सालय में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से पूरे गांव में शोक छाया है ।

Bihar

रफ्तार का कहर : बिहार में बस-ट्रक में भीषण टक्कर, 5 की मौत, एक लोग दर्जन घायल

पूर्णिया, (एजेंसी) बिहार के पूर्णिया से दर्दनाक हादसे की खबर है। एनएच 57 पर हुए भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई जबकि एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक दिल्ली से मालदा जा रही एक लग्जरी बस पूर्णिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस के ड्राइवर की भी मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है और स्थानीय लोगों की मदद से राहत बचाव कार्य जारी है। पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है। घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। दुर्घटना से आवागमन प्रभावित हुआ है।

स्थानीय लोगों से जानकारी मिली है कि बस का टायर फटने की वजह से दुर्घटना हुई। टायर फट जाने के बाद बस पूरी तरीके से नियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे एक ट्रक में सीधे जाकर टकरा गई। दुर्घटना के बाद ट्रक वही पलट गया। ट्रक चालक की हालत भी बहुत खराब है जबकि, बस चालक की मौत हो चुकी है। जख्मी ट्रक चालक इंतजार कराया जा रहा है। ट्रक का खलासी मौके पर नहीं दिखा।

खेल

जिम्बाब्वे ने दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की नीदरलैंड से हारकर वेस्टइंडीज लगभग बाहर

हरारे. (एजेंसी) जिम्बाब्वे में खेले जा रहे वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफायर में अब तक कुछ दिलचस्प मुकाबले देखने को मिले हैं। इसी कड़ी में सोमवार को दो बेहद शानदार मैच देखने को मिले। जिम्बाब्वे और यूएसए के बीच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मुकाबले में मेजबान टीम ने 304 रन की बड़ी जीत हासिल की। वहीं, नीदरलैंड ने तकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मैच में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस हार से विंडीज का अभियान वर्ल्ड कप में लगभग समाप्त हो गया है। अब उसे भारत में होने वाले फाइनल इवेंट के लिए क्वालिफाई करने के लिए किसी चमत्कार की जरूरत होगी।

जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट गंवाकर 408 रन बनाए थे। यह वनडे क्रिकेट में 14वां हाईएस्ट टोटल रहा। वहीं, जिम्बाब्वे का यह वनडे में हाईएस्ट टोटल है। जॉयलॉर्ड गुम्बी ने 78 रन और इनोसेंट काया ने 32 रन की पारी खेली। इन दोनों ने 56 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इसके बाद क्रेग इरविन की गैरमौजूदगी में कप्तानी कर रहे शॉन विलियम्स ने गुम्बी के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 160 रन जोड़े।

विलियम्स ने फिर सिकंदर रजा के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की। रजा 27 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के की मदद से 48 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, रेयान बर्ल ने 16 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के की मदद से 47 रन की तूफानी पारी खेली। कप्तान विलियम्स 101 गेंदों में 21 चौके और पांच छक्के की मदद से 174 रन बनाकर आउट हुए। जोंगवे एक रन बनाकर आउट हुए। मारूमानी छह गेंदों में 18 रन और ब्रैड इवांस तीन रन बनाकर नाबाद रहे। यूएसए की ओर से अभिषेक पराडकर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। वहीं, जेसी सिंह को दो और नोसथुश केनजिगे को एक विकेट मिला।

नीदरलैंड ने वेस्टइंडीज को हराकर किया उलटफेर

वहीं, दूसरी तरफ नीदरलैंड ने दो बार की विश्व चैंपियन (1975, 1979) वेस्टइंडीज को सुपर ओवर में हराकर तहलका मचा दिया। इस हार के साथ वेस्टइंडीज की वर्ल्ड कप में राह अब बेहद कठिन हो गई है। टीम अगले राउंड यानी सुपर सिक्स में तो पहुंच गई है, लेकिन उसके शून्य अंक हैं। जिम्बाब्वे चार अंकों के साथ और नीदरलैंड दो अंकों के साथ सुपर सिक्स में पहुंची है। सुपर सिक्स से चार टीमें बाहर होंगी, जबकि दो टीमें भारत में होने वाले वर्ल्ड कप के मेन इवेंट के लिए क्वालिफाई करेंगी। वेस्टइंडीज ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में छह विकेट पर 374 रन का स्कोर बनाया था। ब्रैंडन किंग ने 76 रन, जॉनसन चार्ल्स ने 54 रन, शामराह ब्रुक्स ने 25 रन, कप्तान शाई होप ने 47 रन की पारी केली। वहीं, निकोलस पूरन 65 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के की मदद से 104 रन और कीमो पॉल ने 25 गेंदों में चार चौके और दो छक्के की मदद से 46 रन की नाबाद पारी खेली। जवाब में नीदरलैंड ने भी नौ विकेट पर 374 रन बना दिए।

सिनेमा

एक्टिंग करते दिखेंगे अब्दु रोजिक, इस टीवी सीरियल से करेंगे डेब्यू

दुनिया के सबसे छोटे सिंगर अब्दु रोजिक एक बार फिर सुर्खियों में बने हुए हैं। कहा जा रहा है कि वह सिंगिंग के बाद अब एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अब्दु छोटे पर्दे पर टेलीकास्ट होने वाले धारावाहिक 'प्यार का पहला नाम- राधा मोहन' से एक्टिंग में डेब्यू करने वाले हैं। दिलचस्प बात ये है कि सीरियल में उनका कैमियो रोल होगा और इस कैमियो ट्रैक की शूटिंग वह कल से शुरू करेंगे।

टाइम्स ऑफ इंडिया को टीवी सीरियल से जुड़े सूत्र ने बताया, 'टीवी सीरियल 'प्यार का पहला नाम- राधा मोहन' के अपकमिंग ट्रैक में दिखाया जाएगा कि मोहन (शब्बीर अहलूवालिया) और तुलसी (कीर्ति नागपुरे) अपनी बेटी गुनगुन (रीजा चौधरी) का बर्थडे मनाएंगे। वहीं दामिनी (संभावना मोहंती) अब्दु को गुनगुन का अपहरण करने भेजेगी। बाद में इस सच से पर्दा हटेगा कि अब्दु के कैरेक्टर का मकसद गुनगुन को नुकसान पहुंचाना नहीं था। उसने तो यह काम सिर्फ पैसों के लिए किया था। इस राज के खुलते ही रीजा और अब्दु अच्छे दोस्त बन जाएंगे और फिर अब्दु चालाकी से रीजा को दामिनी के चंगुल से बचा लेगा।' अब्दु हाल ही में अपने दोस्त और मंडली के सदस्य (बिग बॉस 16 वाली मंडली) शिव ठाकरे को सपोर्ट करने केप टाउन गए थे। बता दें, केप टाउन में शिव ठाकरे, रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

पैर फिसलने से पटरी पर गिरा नाबालिग, मौत

दोनों पैर कट गए, नौकरी की बात करने इंदौर आया था

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नौकरी की बात कर गांव लौट रहे नाबालिग की ट्रेन हादसे में मौत हो गई। वह इंदौर के नजदीक अजनोद का रहने वाला था। सोमवार को वह इंदौर आया था। यहां उसने कार एसेसरीज की दुकान पर काम की बात की थी। इसके बाद यहां से लौट रहा था। अजनोद के पहले रेलवे फाटक के यहां गेट से पैर फिसल गया। इससे वह ट्रेन के नीचे आ गिरा। उसका एक पैर कट कर अलग हो गया, जबकि दूसरा पिचक गया था।

एमवाय चौकी पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम कार्तिक (17 साल) पिता जगराम पटेल है। घटना की जानकारी मिलते ही गेटमैन ने उसे एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। यहां उसका प्राथमिक उपचार करने के बाद इंदौर के एमवाय अस्पताल रैफर कर दिया गया। एमवाय अस्पताल पहुंचने से पहले ही अत्यधिक खून बहने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

हादसा सोमवार रात करीब साढे 9 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि ट्रेन के गेट से पैर फिसलने के दौरान वह पटरी पर जा गिरा। रिश्तेदारों ने बताया कि सांवेर अस्पताल से इंदौर लाते समय कार्तिक रो रहा था कि मैं मर जाउंगा। मुझे बचा ले। लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

परिवार में बड़े पिता मुकेश ने बताया कि कार्तिक के पिता बोंरिग मशीन रिपेंयरिंग करते हैं। कार्तिक ने 8वीं क्लास के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। पिता ने उससे कहा था कि पढ़ाई नहीं करते तो कुछ काम सीख लो। जिसके बाद कार्तिक सोमवार को इंदौर आया था। यहां कार एसेसिरीज की दुकान पर काम की बात की थी। शाम को वह इंदौर से अजनोद अपने घर लौट रहा था। कुछ दूरी पर बने रेलवे फाटक पर ही वह हादसे का शिकार हो गया। कार्तिक के परिवार में एक बड़ी बहन है।

दोस्तों के मोबाइल ले भागा चोर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पढ़ने वाले दोस्तों को दरवाजा खुला रखना महंगा पड़ गया। वे पढ़ाई करते हुए थक गए तो छत पर घूमने चले गए। इस दौरान चोर मोबाइल और अन्य सामान चुरा ले गए।

लसूडिय़ा पुलिस थाने में रजनीश चौधरी पिता गणपति चौधरी 22 साल निवासी 685 स्कीम न. 114 पार्ट -1 विध्यवासिनी मंदिर के पास देवास नाका ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि हम सभी लोग पढाई करते करते थक गये थे तो सभी दोस्त टैरिस पर टहलने चले गये ,हमारे रुम का गेट खुला रह गया था। जब वापस आए तो मेरे दोस्त सागर का सेमसंग एस 21 एफई 5जी मोबाईल एव मेरे दोस्त प्रफुल्ल का मोबाईल वन प्लस सी -3 लाईट 5 मोबाईल एवं दोस्त प्रांजली का मोबाईल वीवो आईक्यू जेड तथा मेरा मोबाईल रीयल मी नारजो -20 एव एक अन्य मोबाईल दोस्त चंचल का है ओप्पो ए53 कम्पनी का एव कमरे मे रखे एक लैपटाप का बैग भी रखा था जिसमे प्रफुल पाटीक का वालिट भी रखा था , हम सभी के उक्त फोन किसी का चार्ज लगा था किसी का फोन रखा हुआ था जो कोई अज्ञात बदमाश उक्त मोबाईलो एव बैग को चुरा कर ले गया। पुलिस केस दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश कर रही है।

एक्टिवा पर ले जा रहा था चोरी का सरिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट **इंदौर**। एरोड्रम इलाके में एक्टिवा सरिया चुराकर ले जाते हुए बदमाश पकड़ाया है। पुलिस के अनुसार मनमोहनसिंह राजावत पिता श्रीकिशनसिह निवासी क्यु ब्लाक ,जी/1 पंचवटी कालोनी ,देवास रोड़ की शिकायत पर निखिल पिता राजेन्द्र करडे निवासी 101 दुर्गा कालोनी पर केस दर्ज किया है। मनमोहनसिंह ने बताया कि मैं सुपर कारीडोर मेट्रो कम्पनी के सिक्युरिट्री का काम कर रहा था, तभी एक अज्ञात व्यक्ति छोटा बांगड़दा चौराहा मेट्रो पिल्लर से ढाई तीन फिट के सरिये एक_ा करके अपनी एक्टिवा पर आगे रखकर करीबन एक कुन्टल सरिया चोरी करके ले जा रहा था जिसे मैंने वहीं काम कर रहे मजदूर राजेन्द्र की मदद से उसे रंगे हाथ पकड़ा। आरोपी की जमकर धुनाई के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की अन्य वारदातों का पता लगा रही है।

वंदे भारत एक्सप्रेस की अगवानी के लिए सजा इंदौर स्टेशन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सीहोर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से केंद्रीय विद्यालय के 50 विद्यार्थी वंदे भारत ट्रेन में सवार हुए। यह बच्चें इंदौर तक कि यात्रा करेंगे। विधायर्थी यात्रा को लेकर उत्साहित है। बच्चों ने ट्रेन में सवार होने के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था, उसके अनुसार चयन किया गया।

इंदौर रेलवे स्टेशन पर भारत की पूर्णतः स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत के स्वागत की सभी तैयारी पूरी हो चुकी है। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से मंगलवार की सुबह 10 बजे वंदे भारत ट्रेन इंदौर के लिए रवाना की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और रेल मंत्री अश्विन वैष्णव भी मौजूद थे। पहले दिन ट्रेन सभी स्टेशनों पर रुकते हुए इंदौर पहुंचेगी।

इंदौर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर दोपहर 1.48 बजे वंदे भारत ट्रेन का आगमन होगा। इंदौर की पहली वंदे भारत ट्रेन के स्वागत के लिए प्लेटफार्म पर भव्य तैयारी की गई है। इंदौर में पहली वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए रेलवे ने उक्त कार्यक्रम के लिए स्टेशन पर भव्य साज-सज्जा की है। इसे फूलों से सजाया गया है। प्लेटफार्म पर लाल कारपेट बिछाए गए हैं। शहर के जनप्रतिनिधि और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी के साथ ही गणमान्य नागरिक वंदे भारत ट्रेन का स्वागत करेंगे। लंबे समय से इंदौर के लोगों को सेमी-हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत का इंतजार था, जो आज खत्म होने जा रहा है। भोपाल से होते हुए ट्रेन इंदौर पहुंचेगी।

महिला को ब्लेकमेल करने वाला नागदा से पकड़ाया

ज्वेलरी के बहाने फोटो बुलवाता, फिर एडिट कर करता था ब्लेकमेल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महिलाओं को ज्वेलरी बेचने के बहाने अंतरंग फोटो बुलवाकर ब्लैकमेल करने वाले ठग को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ संयोगितागंज थाने में एक महिला ने एफआईआर कराई थी। पुलिस ने आरोपी सुनील किशन परमार का मोबाइल खंगाला तो वीडियो देखकर हैरान रह गई। उसके मोबाइल में 100 से ज्यादा महिलाओं के नंबर भी सेव मिले हैं। युवक मूल रूप से गुजरात का रहने वाला है। अभी इंदौर के नगीन नगर में किराए से रह रहा था। बाद में नागदा जंक्शन चला गया। था।

पुलिस के मुताबिक पकड़ाए आरोपी का नाम सुनील है। वह ज्वेलरी से जुड़ा काम जानता है। कुछ समय पहले वह गुजरात में ही गांधीग्राम में एक ज्वेलरी कंपनी में नौकरी करने लगा। वहां से भी ठगी की और मध्य प्रदेश के नागदा जंक्शन भाग आया। यहां उसने चाय की दुकान पर काम करते करते एक इंस्टाग्राम एकाउंट बनाया। इसमें वह महिलाओं को ऑनलाइन आर्टिफिशियल ज्वेलरी बेचने लगा। आठवीं पास आरोपी ने इसी अकाउंट के जरिए महिलाओं से रुपए ठगे हैं। आरोपी सुनील पहले आर्टिफिशियल ज्वेलरी का काम करता था। जब उसने ऑनलाइन यह काम शुरू किया तो वह महिलाओं से ऑनलाइन पेमेंट डलवाता था लेकिन ज्वेलरी डिलीवर नहीं करता था। एक साल में उसने कई महिलाओं को ठगा। वह किसी महिला की तरफ से ज्वेलरी खरीदने की इच्छा जताए जाने पर उनसे फोटो भेजने के लिए कहता था। वह कहता था कि आपका फोटो देखकर बताऊंगा कि कौन सी ज्वेलरी या हार आप पर जंचेगा। जब महिला फोटो भेजती तो उसे एडिट कर पति को बताने और वायरल करने की धमकी देता था। इसके बाद रुपए ऐंठता था। मनमाफिक वीडियो भी उसके बाद महिलाओं से बुलवाने लगता था। आरोपी के पास से 100 से ज्यादा महिलाओं के मोबाइल नंबर मिले हैं। इसके साथ ही आरोपी के पास से पांच दर्जन से ज्यादा महिलाओं की चैटिंग भी मिली है। जिनसे उसने कई तरह की ठगी की है। टीआई तहजीब काजी के मुताबिक आरोपी वॉट्सऐप कॉलिंग पर ही बात कर रहा था। इसके बाद पीडिता को पुलिस ने बताया कि वह आरोपी को अपनी बातों पर लगाकर रखे। इसके बाद पुलिस मोबाइल लोकेशन निकालती रही। लोकेशन ट्रेस होने पर पुलिस इंदौर के साथ गुजरात और फिर नागदा एक साथ पहुंची। नागदा जंक्शन से आरोपी सुनील को चाय की दुकान से गिरफ्तार कर लिया।

दहेज के लिए सताया, ससुर पर केस

इंदौर। राऊ पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर उसके ससुर पर केस दर्ज किया है। पीडिता का कहना है कि शादी के बाद से ही ससुर दहेज की मांग करते हुए प्रताडित करते हैं। पुलिस के अनसुार सीमा पति ईश्वर निवासी ब्रज विहार कालोनी की शिकायत पर उसके ससुर शंकर पर केस दर्ज किया है। पीडिता ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद से हि मेरा ससुर शंकर पिता अम्बाराम राऊ मुझे आये दिन घर की छोटी छोटी बात को लेकर शारीरीक व मानसिक रुप से प्रताडित करते हैं और कहते हैं कि तु दहेज मे सामान क्यो नही लाई।

युवती ने किया खुदकुशी का प्रयास

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। छेड़छाड़ से परेशान एक युवती ने जहर खा लिया। मनचला रात में मिलने की जिद कर रहा था। वह रातभर युवती के घर हार्न बजाता रहा। बाहर न निकलने पर घर के कांच फोड़ दिए। दिन में मारने की धमकी दी तो युवती ने आत्महत्या की कोशिश की।

घटना द्वारकापुरी थाना क्षेत्र की है।22 वर्षीय युवती की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। टीआइ अल्का मेनिया उपाध्ये के मुताबिक आरोपित मयंक उर्फ मंकू बुधलानी युवती से करीब 4 साल से सामान्य बातचीत करता था। उसके द्वारा प्रेम का इजहार करने पर युवती ने बात करने से मना कर दिया। रविवार रात मंकू ने कहा कि उसको हिचकियां आ रही है और युवती से बात करने की जीद करने लगा। युवती द्वारा फोन बंद करने पर आरोपी कार लेकर घर आया और रात 2 बजे से 5 बजे तक हार्न बताया। बाद में पथराव कर घर के कांच फोड़ दिए। मंकू शराब के नशे में आया था। उसने बाहर खड़ी गाडिय़ों को भी टक्कर मार दी।

सुबह युवती की मां और जीजा समझाने गए तो मंकू ने धमकाया और युवती के जीजा से कहा कि अब तेरी बेटी को भी ले जाउंगा। युवती ने उसकी धमकी के कारण जहर खा लिया। टीआइ के मुताबिक आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपित पहले भी हरकतें कर चुका है।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।